>

Title: Issue regarding derogatory remarks made against Member of Parliaments (MPs).

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विÂाय पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। यह प्रश्न सदन की गरिमा और समस्त सम्मानित सांसद सदस्यों के विशेÂाधिकारों से सीधा जुड़ा हुआ है। लगातार देखा गया है कि पिछले एक-दो वÂाों से तथाकथित कुछ लोग जनसभाओं में खुलेआम संसद पर चोट पहुंचाते हैं, संसद की गरिमा पर चोट पहुंचाते हैं और सांसदों को ...* यह बराबर मंचों से कहा जा रहा है और हम लोगों ने, अध्यक्ष लोग सभा को इस विÂाय पर नोटिस भी दिया कि विशेÂाधिकार के तहत ऐसे लोगों को बुलाया जाए, लेकिन आज तक कोई भी सुनवाई नहीं हो पायी है। अभी सुबह से बराबर टी.वी. चैनलों पर आ रहा है और इस तरह से संसद की अवमानना हो रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि ऐसे लोगों को, जो एनजीओ चलाकर, बड़े-बड़े मठों में बैठे हैं, जिनके पास अकूत धन कहां से आ रहा है, इसकी जांच कराई जाए। एक तरह से यह लोकतंत्र पर कुठाराघात है, संसद की गरिमा गिर रही है।

हमारे पूर्वजों ने देश की आजादी से लेकर अब तक, वÂाऩ 1950-52 से जबसे संविधान बना है, इस संसद की गरिमा रही है। मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहूंगा कि आप सरकार को निर्देशित करें कि ऐसे कौन-कौन लोग हैं जो तमाम जन-मानस में जाकर भ्रम पैदा कर रहे हैं और आवाम के लोगों को पूरी तरह से गुमराह करके, प्रजातंत्र और लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू हैं। आज संसद की गरिमा और सांसदों के विशेÂाधिकार का मामला है। मैं आपका संरक्षण चाहूंगा, आप हम लोगों के गार्जियन हैं, आप सभापति पीठ पर हैं। मैं चाहूंगा कि इस विÂाय में जांच कराकर ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

MR. CHAIRMAN :

Shri Kabadi Lal Bairva and

Shri P.L.Punia have associated with the issue raised by Shri Shailendra Kumar.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): पिछले दिनों अरविंद केजरीवाल जी ने जब इस पार्लियामेंट और पार्लियामेंटेरियन्स पर हमला किया था।...(व्यवधान) मैंने इसलिए नाम लिया है कि मैंने विशेÂाधिकार हनन का नोटिस दे रखा है। इसलिए इस पर आप फैसला करें।

MR. CHAIRMAN : Take your seat. You can also associate with this. Please take your seat. Shri Shailendra Kumarji's notice is already before the hon. Speaker. Please wait for the decision.

_